Naac Accredited Institute
Reg No. 22/2002-03
R.N.T. P.G. COLLEGE
(Recognized Under Section 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act. 1956)
KAPASAN-312202, DIST. - CHITTORGARH (RAJ.)

No. : RNTCK/ Date :.....

सादर प्रकाशनार्थ

हिन्दी दिवस पर आयोजित हुई विचार गोष्ठी एवं प्रतियोगिताएं

कपासन 14 सितम्बर 2023 आर.एन.टी. ग्रुप ऑफ कॉलेजेज कपासन में गुरूवार को हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में विचार गोष्ठी एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन पूर्व जिला शिक्षाधिकारी, वरिष्ठ लेखक, साहित्यकार एवं अकादमिक निदेशक शिवनारायण शर्मा के मुख्य आतिथ्य, बी.एड. प्राचार्य डॉ. अनिल गोठवाल के विशिष्ट आतिथ्य एवं महाविद्यालय उपाचार्य डॉ. ओ. पी. सुखवाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम संयोजक हिन्दी व्याख्याता लक्ष्मी जाट ने बताया कि वैश्विक जगत में हिन्दी की दशा व दिशा विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसके मुख्य वक्ता डॉ. मधुबाला शर्मा थी। मुख्य वक्ता डॉ. शर्मा ने हिन्दी की महता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ''वैश्वीकरण के दौर में हिन्दी का अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचार प्रसार एवं मानवीय मूल्यों के लिए निरन्तर प्रयासरत रहना, रोजगार के नये आयामों का सृजन एवं तकनीकी के साथ सामंजस्य स्थापित करना अपनी महती भूमिका निभाता है।'' मुख्य अतिथि शिवनारायण शर्मा ने अपने उद्‌बोधन में अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी भाषा की बढती महता को बताते हुए कहा कि विश्व के अनेक शोध एवं शोधार्थी हिन्दी के रहस्यों को जाने के लिए विश्व के कई देशों में शोध कार्यों में संलग्न है। विशिष्ट अतिथि डॉ. अनिल गोठवाल ने हिन्दी की विशालता को बताते हुए कहा कि हिन्दी रूढ भाषा नहीं है, यह वसुदैव कुटुम्बकम् की भावना को अपनाते हुए हर भाषा को ग्रहण करने की क्षमता रखती है, भारतीय संस्कृति, मानवीय मूल्यों एवं निरन्तर प्रयोगधर्मिता को आत्मसात कर हिन्दी निरन्तर प्रगति पथ पर अग्रसर हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे उपाचार्य डॉ. ओ. पी. सुखवाल ने कहा कि ''हिन्दी एकमात्र ऐसी भाषा हैं जो जैसी बोली जाती हैं वैसी ही लिखी जाती हैं। प्रत्येक ध्वनि के लिए विशेष लिपि चिन्ह् का प्रयोग किया जाता है और कोई भी

ध्वनि साइलेन्ट नहीं होती हैं जैसे की कुछ भाषाओं में होता हैं।'' वैज्ञानिको का भी मानना हैं कि अग्रेंजी बोलते वक्त दिमाग का केवल बायॉ हिस्सा ही सक्रिय रहता है। जबकि हिन्दी बोलते समय दिमाग के दोंनो हिस्से (बाएॅ व दाएॅ) सक्रिय होते है। मस्तिष्क विशेषज्ञों का कहना हैं कि अग्रेंजी एक लाइन में सीधी पढी जाने वाली भाषा है, जबकि हिन्दी के शब्दों में उपर नीचे, दाएॅ व बाएॅ लगी भाषाओं के कारण दिमाग को इसे पढने के लिए अधिक कसरत करनी पड़ती हैं, जिससे मस्तिष्क के दोंनो हिस्से सक्रिय रूप सें कार्य करते हैं।

सहा. आचार्य अरविन्द राव ने हिन्दी व्याकरण का व्यवहारिक विश्लेषण करते हुए हिन्दी वर्तनी की एकरूपता लाने के लिए आचार्य नरेन्द्र, ड़ॉ. राधाकृष्णन, देवन्द्रनाथ शर्मा, ड़ॉ. कामेश्वर शर्मा ने से अनेक विद्वानों की महती भूमिका रही हैं। समकालीन समाज में हिन्दी ने अपने से इतर भाषाओं के शब्दों की ग्रहण करके अपने शब्द भण्डार में वृद्धि की हैं, जिससे भाषा का दायरा विकसित हुआ हैं। मोबाईल संस्कृति ने हिन्दी की वर्तनी को एक ओर बिगाडा है क्योंकि थोडी – सी असावधानी से वर्तनी में त्रुटि उत्पन्न हो जाती हैं, तो दूसरी ओर इसमें विद्यमान सॉफटवेयर का प्रयोग सावधानी से करें तो इसमें इस भाषा परिवार में वृद्धि भी की है। कॉम्पीटीशन के इस दौर में मानक हिन्दी की उपयोगी व महता दिनोंदिन बढ़ती जा रही हैं। जिसे अपनाकर हम अपने शैक्षिक वातावरण को सुन्दर एवं मनोरम बना सकते है।

प्रतियोगिता प्रभारी डॉ. मधुबाला शर्मा ने बताया कि हिन्दी दिवस पर स्वरचित कवितापाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम स्थान स्वाति छीपा एवं तनुजा भट्ट ने संयुक्त रूप से प्राप्त किया। वहीं द्वितीय स्थान पर निशा शर्मा व तृतीय स्थान पर भेरूलाल रहे। आशुभाषण प्रतियोगिता में कृष्णा जाट प्रथम, तनुजा भट्ट द्वितीय व काजल राठौड तृतीय स्थान पर रही। कार्यक्रम का सफल संचालन दिनेश लौहार ने किया। कार्यक्रम में सहा. आचार्य पिन्टू शर्मा, जयदेव सिंह चारण, अंकिता कुमारी, शमीम बानू, दिलशाद बेगम, संजू सोनी, विशाल लाम्बा, मनीष कुमावत, पंकज सैनी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

प्राचार्य